**पृथ्वीराज चौहान**

**अति लघु उत्तर लिखिए -**

क) दिल्ली के शासक पृथ्वीराज चौहान थे |

ख) कन्नौज के राजा जयचंद पृथ्वीराज चौहान से ईर्ष्या करते थे |

ग ) संयोगिता कन्नौज के राजा जयचंद की पुत्री थी | उनका विवाह दिल्ली के शासक पृथ्वीराज चौहान के साथ हुआ |

**लघु उत्तर लिखिए -**

1. स्वयंवर के दौरान पृथ्वीराज को अपमानित करने के लिए जयचंद ने उनका पुतला बनवाकर स्वयंवर के द्वार पर खड़ा करा दिया ताकि सब पृथ्वीराज चौहान को द्वारपाल के रूप में देखें |
2. जयचंद और मोहम्मद गौरी के बीच यह संधि हुई की दोनों की सेनाएँ मिलकर दिल्ली पर आक्रमण करेंगी | विजय प्राप्ति के बाद दिल्ली की सारी दौलत मोहम्मद गौरी की होगी और दिल्ली का सिंहासन जयचंद का होगा |

**ग )** चंदबरदाई दोहे के माध्यम से पृथ्वीराज चौहान को गजनी के सुलतान मोहम्मद गौरी के सिंहासन की दूरी और ऊँचाई के बारे में बता रहे हैं | चंदबरदाई द्वारा बोले गए दोहे का अर्थ है - हे पृथ्वीराज चौहान ! गजनी के सुलतान का सिंहासन चार बाँस , चौबीस गज और आठ उँगलियों की दूरी पर है जिस पर गौरी बैठा है | उसे मारने का यह बहुत अच्छा अवसर मिला है | अतः आप निशाना लगाने से मत चूकना |

**5 . दीर्घ उत्तर लिखिए -**

**क)** पृथ्वीराज चौहान शब्दबेधी धनुर्विद्या में माहिर थे | चंदबरदाई और पृथ्वीराज चौहान को जब यह मालूम हुआ की गजनी के सुलतान मोहम्मद गौरी ने तीरंदाज़ी के खेल का आयोजन करवाया है तब पृथ्वीराज ने भी उस खेल में भाग लिया | उन्होंने मोहम्मद गौरी की आवाज़ सुनकर तथा चंदबरदाई द्वारा पढ़े जाने वाले दोहे से अनुमान लगाकर मोहम्मद गौरी पर निशाना लगाने की योजना बनाई ,जिससे गौरी को मारा जा सके |

**ख)** पृथ्वीराज चौहान दिल्ली के शासक थे | वे बहुत वीर और युद्धकला में निपुण योद्धा थे | शब्दबेध तीरंदाज़ी में तो वे माहिर थे | उन्होंने गजनी के सुलतान को कई बार युद्ध में हराया | उनकी वीरता और वैभव को देखकर हिन्दुस्तान के अन्य राज्यों के राजा भी उनकी प्रशंसा करते थे | लेकिन कुछ राजा ऐसे थे जो पृथ्वीराज को अपना शत्रु समझकर उनसे ईर्ष्या करते थे | उन्हीं में एक थे - कन्नौज के राजा जयचंद | जब जयचंद ने अपनी पुत्री संयोगिता का स्वयंवर रखा था तब पृथ्वीराज चौहान ही थे जिन्हें संयोगिता ने अपने वर के रूप में स्वीकार किया | यह सब पृथ्वीराज की वीरता और शौर्यता के कारण ही संभव हुआ |